

कृषि पंजीक



जिले का नाम..... ब्लॉक का नाम.....
 ग्राम पंचायत..... गांव का नाम.....
 वर्ष.....



परिकल्पना

सृजन के निरंतर प्रयासों से ग्रामीण भारत के योग्य परिवारों के जीवन में समग्र रूप से विकास होगा।

उद्देश्य

सृजन में हम आजीविका गतिविधियों, सामाजिक विकास केंद्रित और महिला सशक्तिकरण के माध्यमों से ग्रामीण गरीबों के जीवन के समग्र विकास और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

Farmer's Name	किसान का नाम	
Father / Husband Name	पिता/पति का नाम	
Community Institution Member (Y/N)	समिति सदस्य (हां/ना)	
Category (Gen/OBC/SC/ST)	श्रेणी (जनरल/ओबीसी/एससी/एसटी)	
Total Landholding (Ha)	कुल भूमि (हैक्टर)	
Mobile No.	मोबाइल नंबर	
Farm Name	खेत का नाम	
Program Area (Ha)	रकबा (हैक्टर)	
Crop Name-1	फसल का नाम-1	
Silt Applied (Y/N)	सिल्ट (हां/ना)	
Variety Name	किस्म का नाम	
Soil Testing (Y/N)	मृदा परीक्षण (हां/ना)	
Sowing date	बुवाई की तारीख	
Sowing Method	बुवाई विधि	
Seed Type (certified/ foundation/ breeder/ improved/ local)	बीज का प्रकार प्रमाणित/आधार/ब्रीडर/उन्नत/देशी	
Germination Test (Y/N)	अंकुरण परीक्षण (हां/ना)	
Land Preparation cost (Rs)	भूमि की तैयारी लागत (रु)	
Green manure (Y/N)	हरी खाद (हां/ना)	
Mulching (Y/N)	आच्छादन (हां/ना)	
Sowing Cost (Rs)	बुवाई लागत (रु)	
Seed Cost (Rs)	बीज की लागत (रु)	
Seed Treatment (Y/N)	बीजोपचार (हां/ना)	
Seed treatment cost (Rs)	बीजोपचार लागत (रु)	
Ghanjeevamrut application (Kg)	घनजीवामृत उपयोग (किलो)	
Ghanjeevamrut Cost (Rs)	घनजीवामृत लागत (रु)	
Jeevamrut (Litre)	जीवामृत (लीटर)	
Jeevamrut Cost (Rs)	जीवामृत लागत (रु)	
Weeding Method (Manual/Weedicide)	निराई विधि (हाथ / दवाई)	
Weeding Cost (Rs)	निराई लागत (रु)	
Border Crop Name	सीमा फसल का नाम	
Mix/Inter crop Name	अंतर/मिक्स फसल का नाम	
No. of Irrigation	सिंचाई की संख्या	
Bio pesticide name	जैव कीटनाशक का नाम	
Bio pesticide Cost (Rs)	जैव कीटनाशक लागत (रु)	
Any other IPM method (name)	अन्य विधि कीटनाशी नाम	
IPM cost (Rs)	अन्य कीटनाशक विधि की लागत (रु)	
Bio-pesticide Spraying (Y/N)	जैव कीटनाशक का छिडकाव (हां/ना)	
Any other IPM method (name)	अन्य कीटनाशी विधि का नाम	
Chemical fertilizers application (Kg)	रासायनिक खाद की मात्रा (किलोग्राम)	
Chemical Pesticides (Cost)	रासायनिक कीटनाशक की लागत	
Production Mix/Inter Crop (quintal)	अंतर/मिक्स फसल उत्पादन (क्विन्टल)	
Production Broader Crop (quintal)	सीमा फसल उत्पादन (क्विन्टल)	
Production Main Crop (quintal)	मुख्य फसल उत्पादन (क्विन्टल)	
Farmer's Remark	(किसान टिप्पणी)	

Farmer's Name	किसान का नाम	
Father / Husband Name	पिता/पति का नाम	
Community Institution Member (Y/N)	समिति सदस्य (हां/ना)	
Community Institution Name	समिति का नाम	
Category (Gen/OBC/SC/ST)	श्रेणी (जनरल/ओबीसी/एससी/एसटी)	
Total Landholding (bigha)	कुल भूमि (बीघा)	
Mobile No.	मोबाइल नंबर	
Total Program Area (bigha)	कुल उन्नत कृषि रकबा (बीघा)	
Soil Testing (Y/N)	मृदा परीक्षण (हां/ना)	
Crop Name-1	फसल का नाम-1	
Variety Name	किस्म का नाम	
Program Area (bigha)	उन्नत कृषि रकबा (बीघा)	
Sowing date	बुवाई की तारीख	
Sowing Method	बुवाई की विधि	
Production Main Crop-1 (quintal)	फसल उत्पादन -1 (क्विन्टल)	
Crop Name-2	फसल का नाम-2	
Variety Name	किस्म का नाम	
Program Area (bigha)	उन्नत कृषि रकबा (बीघा)	
Sowing Date	बुवाई की तारीख	
Sowing Method	बुवाई की विधि	
Production Main Crop-2 (quintal)	फसल उत्पादन-2 (क्विन्टल)	
Crop Name-3	फसल का नाम-3	
Variety Name	किस्म का नाम	
Program Area (bigha)	उन्नत कृषि रकबा (बीघा)	
Sowing Date	बुवाई की तारीख	
Sowing Method	बुवाई की विधि	
Production Main Crop-3 (quintal)	फसल उत्पादन -3 (क्विन्टल)	
Seed Type (certified/ foundation/ breeder/ improved/local)	बीज का प्रकार प्रमाणित/आधार/बीडर/उन्नत/देशी	
Germination Test (Y/N)	अंकुरण परीक्षण (हां/ना)	
Silt Application (Y/N)	सिल्ट उपयोग (हां/ना)	
Seed Treatment (Y/N)	बीजोपचार (हां/ना)	
Ghanjeevamrut Application (Y/N)	घनजीवामृत उपयोग (हां/ना)	
Jeevamrut Application (Y/N)	जीवामृत उपयोग (हां/ना)	
No. of Irrigation	सिंचाई की संख्या	
Weeding Method	निराई विधि	
Border Crop (Y/N)	सीमा फसल (हां/ना)	
Mix/Inter crop (Y/N)	अंतर/मिक्स फसल (हां/ना)	
Bio-Pesticide Spraying (Y/N)	जैव कीटनाशक छिड़काव (हां/ना)	
Any other IPM Method (Name)	अन्य कीटनाशी विधि का नाम	
Chemical Fertilizers Application (Kg)	रासायनिक खाद की मात्रा (किलोग्राम)	
Chemical Pesticides (Cost)	रासायनिक कीटनाशक की लागत	
Production Mix/Inter Crop (Quintal)	अंतर/मिक्स फसल उत्पादन (क्विन्टल)	
Production Broader Crop (Quintal)	सीमा फसल उत्पादन (क्विन्टल)	
Farmer's Remark	(किसान टिप्पणी)	

उन्नत खेती-खुशहाल किसान



अग्नि अस्त्र

अग्नि अस्त्र का उपयोग तना कीट फलों में होने वाली सूंडी एवं इलियों के लिए किया जाता है

निर्माण सामग्री

- 20 लीटर गोमूत्र
- 5 किलोग्राम नीम के पत्ते की चटनी
- आधा किलोग्राम तम्बाकू का पाउडर
- आधा किलोग्राम हरी तीखी मिर्च
- 500 ग्राम देशी लहसुन की चटनी

बनाने की विधि

ऊपर लिखी हुई सामग्री को एक मिट्टी के बर्तन में डालें और गरम करें। चार बार उबाल आ जाने के बाद आग से उतार कर ढंडा करें आग से उतारने के बाद 48 घंटे छाया में रखें। 48 घंटे में चार बार डंडे से चलाएं। यह 48 घंटे तैयार हो जाएगा।

भण्डारण एवं अन्य सावधानियां

अग्नि अस्त्र का प्रयोग भण्डारण करके केवल तीन माह कर सकते हैं। उबालने के लिए मिट्टी के बर्तन को ही लें। गोमूत्र धातु के बर्तन में न ले न ही भंडारित करें।

उपयोग

प्रति एकड़ के लिए 5 लीटर अग्नि अस्त्र को छानकर 200 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे मशीन या नीम के लेवचा से छिड़काव करें।

नोट : 3 माह तक प्रयोग कर सकते हैं।



ब्रह्मास्त्र

ब्रह्मास्त्र का उपयोग अन्य कीट और बड़ी सूंडी इलियों आदि के नियंत्रण के लिए किया जाता है।

निर्माण सामग्री

- 10 लीटर गोमूत्र
- 2 किलोग्राम बेल के पत्ते
- 3 किलोग्राम नीम की पत्ती
- 2 किलोग्राम अरंडी के पत्ती
- 2 किलोग्राम करंज की पत्ती
- 2 किलोग्राम धतूरा के पत्ते
- 2 किलोग्राम सीताफल पत्ती

बनाने की विधि

मिट्टी के बर्तन में गोमूत्र डालकर उसमें उपरोक्त पत्तों की चटनी कर के कोई भी सभी प्रकार की चटनी को मिला दें। अब बर्तन आग में चढ़ा कर मिश्रण को उबालें। जब चार उबाल आ जाए तो आग से उतारकर 48 घंटे छाया में ढंडा होने दें। इसके बाद कपड़े से छानकर प्रयोग करें।

भण्डारण एवं अन्य सावधानियां

ब्रह्मास्त्र का प्रयोग छः माह तक कर सकते हैं। भंडारण मिट्टी के बर्तन में करें। ब्रह्मास्त्र को छाया में रखें एवं धूप से बचाएं, प्लास्टिक के बर्तन में ले या रखें।

उपयोग

प्रति 200 लीटर पानी में तैयार 10 लीटर ब्रह्मास्त्र को छान कर मिलाएं और स्प्रे मशीन में छिड़काव करें।

नोट : 6 माह तक प्रयोग कर सकते हैं।



नीमास्त्र

नीमास्त्र का उपयोग रस चूसने वाले कीट एवं छोटी सूंडी, इलियों आदि के नियंत्रण के लिए किया जाता है।

सामग्री

- 5 किलोग्राम नीम पतियांयुक्त टहनियां
- 5 किलोग्राम नीम फल की खली
- 5 लीटर गोमूत्र
- 1 किलोग्राम गाय का गोबर

बनाने की विधि

सर्वप्रथम प्लास्टिक के बर्तन पर 5 किलोग्राम नीम की पतियों की चटनी, और 5 किलोग्राम नीम के फल (पीस व कूट कर) डालें एवं 5 लीटर गोमूत्र व 1 किलोग्राम गाय का गोबर डालें। इन सभी सामग्री को डंडे से चलाकर जालीदार कपड़े से ढक दें। यह 48 घंटे तैयार हो जाएगा। 48 घंटे में चार बार डंडे से चलाएं।

भण्डारण एवं अन्य सावधानियां

नीमास्त्र का प्रयोग छः माह तक हर सकते हैं। नीमास्त्र को मिट्टी या प्लास्टिक के बर्तन में भरकर छाये में रखें एवं धूप से बचाएं। गोमूत्र प्लास्टिक के बर्तन में ले या रखें।

उपयोग

प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में तैयार 10 लीटर नीमास्त्र को छान कर मिलाएं और स्प्रे मशीन से छिड़काव करें।

नोट : 6 माह तक प्रयोग कर सकते हैं।



छोंछ

ताजी छोंछ

250 से 500 मिलीलीटर ताजी छोंछ को एक पम्प (15 लीटर पानी) में मिलाकर छिड़कने से पोथे की बढवार और विकास अच्छा होता है।

पुरानी छोंछ बनाने की विधि

छोंछ को मटके में भरकर, खेत में किसी पेड़ के नीचे इस मटके को गाड़ देते हैं यह छोंछ 20 से 25 दिनों में सड़ जाती है।

उपयोग

इस छोंछ को 250 से 500 मिलीलीटर/1 से 2 गिलास, एक पम्प में मिलाकर फसलों में छिड़कने से इल्ली की समस्या पर नियंत्रण होता है चने की इल्ली, कपास का डेंडू, लाल तुअर की फली में लगने वाले कीटों से रोथाम होती है। छोंछ को तांबे के पात्र में 20 से 25 दिनों के लिये संग्रहित करने से अच्छा रोगनाशी बनता है। इसे भी 1 से 2 गिलास (250 से 500 मिलीलीटर) 15 लीटर पानी मिलाकर फसल पर छिड़कते हैं।

अन्य उपयोग

150 मिलीलीटर निमबली काढा एवं 500 मिलीलीटर ताजी छोंछ को एक पम्प में मिलाकर छिड़कने से रस चूसने वाले कीटों जैसे हरे व सफेद मच्छर से रोक्थाम होती है।



जीवामृत

निर्माण सामग्री (एक एकड़ हेतु)

- 10 किलोग्राम देशी गाय का गोबर
- 5 से 10 लीटर गोमूत्र
- 2 किलोग्राम गुड़ या फलों के गुदों की चटनी
- 2 किलोग्राम बेसन (चना, उडद, मूंग)
- 200 लीटर पानी
- 50 ग्राम मिट्टी (मेड़ की)

बनाने की विधि

सर्वप्रथम कोई प्लास्टिक की टंकी या सीमेंट की टंकी ले फिर उस पर 20 ली. पानी डालें। पानी में 10 किलोग्राम गाय का गोबर व 5 से 10 लीटर गोमूत्र एवं 2 किलोग्राम गुड़ या फलों के गुदों की चटनी मिलाएं। इसके बाद 2 किलोग्राम बेसन, 50 ग्राम मेड़ की मिट्टी या जंगल की मिट्टी डालें और सभी को डंडे से मिलाएं। इसके बाद टंकी को जालीदार कपड़े से बंद कर दें। सुबह शाम डंडे से घोल को हिलाएं। 48 घंटे बाद जीवामृत तैयार हो जाएगा। इस जीवामृत का प्रयोग केवल सात दिनों तक कर सकते हैं। प्लास्टिक व सीमेंट की टंकी को छाया में रखे जहां पर धूप न लगे। गोमूत्र को धातु के बर्तन में न रखें। छाया में रखे हुये गोबर का ही प्रयोग करें।

उपयोग

प्रति एकड़ 200 लीटर तैयार जीवामृत सिंचाई के बहते पानी पर बून्द बून्द टपका कर दें। फसलों और पोथों पर जीवामृत का छिड़काव कर दें। छिड़काव करने से उनको उचित पोषण मिलता है और दाने/फल स्वस्थ होते हैं।

नोट : 7-10 दिन तक प्रयोग कर सकते हैं।



दशपर्णी अर्क

दर्शपर्णी अर्क का प्रयोग सभी तरह के रस चूसक कीट और सभी इलियों के नियंत्रण के लिए किया जाता है।

निर्माण सामग्री (एक एकड़ हेतु)

- 200 लीटर पानी
- 5 किलोग्राम नीम की पत्ती
- 2 किलोग्राम गाय का गोबर
- 2 किलोग्राम बेल के पत्ते
- 10 लीटर गोमूत्र
- 2 किलोग्राम कनेर की पत्ती
- 2 किलोग्राम करंज के पत्ते
- 500 ग्राम तम्बाकू पीस के या काटकर
- 2 किलोग्राम सीताफल के पत्ते
- 500 ग्राम लहसुन
- 2 किलोग्राम धतूरा के पत्ते
- 500 ग्राम पिसी हल्दी
- 2 किलोग्राम तुलसी के पत्ते
- 500 ग्राम तीखी हरी मीर्च
- 2 किलोग्राम पपीता के पत्ते
- 200 ग्राम अदरक या सोंठ

बनाने की विधि

सर्वप्रथम एक प्लास्टिक के ड्रम में 200 लीटर पानी डालें फिर इसमें 2 किलोग्राम गाय का गोबर और 10 लीटर गोमूत्र मिला दें। अब इसमें नीम, करंज, सीताफल, धतूरा, बेल, तुलसी, आम, पपीता, करंज, गेंदा की पत्ती की चटनी डालें और डंडे से चलाकर जालीदार कपड़े से बंद कर दें और 40 दिन छाये में रखा रहने दें, परंतु प्रतिदिन सुबह शाम डंडे से हिलाते जरूर रहें।

भण्डारण एवं अन्य सावधानियां

इसको छः माह तक प्रयोग कर सकते हैं। इस दशपर्णी अर्क को छाये में रखें। बनाते समय इसको सुबह शाम चलाना न भूलें। प्रति एकड़ के लिए 200 लीटर पानी में 10 लीटर दशपर्णी अर्क मिलाकर छिड़काव करें।

नोट : 6 माह तक प्रयोग कर सकते हैं।



घन जीवामृत

घन जीवामृत में सूक्ष्मजीव सुषुप्त अवस्था में रहते हैं। खेत में डालने पर ये जीव सक्रिय होकर फसल को पोषक तत्व उपलब्ध करवाते हैं।

निर्माण सामग्री (एक एकड़ हेतु)

- 100 किलोग्राम गाय का गोबर
- 1 किलोग्राम गुड़/फलों की चटनी
- 2 किलोग्राम बेसन (चना, उडद, अरहर, मूंग)
- 50 ग्राम मेड़ या जंगल की मिट्टी
- 1 लीटर गोमूत्र

बनाने की विधि

सर्वप्रथम 100 किलोग्राम गाय के गोबर को किसी पक्के फर्श व पोलिथीन पर फैलाएं। एक पात्र में गुड़ या फलों की चटनी, बेसन एवं मेड़ या जंगल की मिट्टी डालकर उसमें गोमूत्र मिलाये। घोल बनाकर इसको गायर के ऊपर छिड़कर कर फॉवड़ा से अच्छी तरह से मिला दें। इस सामग्री को 48 घंटे तक किसी छायादार स्थान पर एकत्र कर या थपिया बनाकर जूट के बोरे से ढक दें। 48 घंटे बाद उसको छाया पर सुखाकर चूर्ण बनाकर भंडारण करें। इस घन जीवामृत का भण्डारा करके 6 माह तक प्रयोग कर सकते हैं। गोबर ताजा ही लें या फिर अधिकतम सात दिन तक पुराना गोबर का प्रयोग करें। गोमूत्र किसी धातु के बर्तन में न रखें।

उपयोग

एक बार खेत जुताई के बाद घन जीवामृत का छिड़काव कर खेत तैयार करें।

नोट : 6 माह तक प्रयोग कर सकते हैं।



बीजामृत

निर्माण सामग्री

- गाय का मूत्र - 5 लीटर
- गाय का गोबर - 5 किलोग्राम
- चुना - 50 ग्राम
- पानी - 20 लीटर
- 1 लीटर गोमूत्र

बनाने की विधि

20 लीटर पानी को एक बर्तन में लेकर उसमें गोमूत्र मिलते हैं। फिर गोबर चूना, तथा पेड़के ताल की मिट्टी मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण को मिला देते हैं। इस मिश्रणको 24 घंटे तक छाया में रखते हैं। फिर 100 किलो बीज को फर्स या पॉलिथीन शीट पर बिछाकर उस पर बीजामृत का छिड़काव कर देते हैं। फिर हाथ से अच्छी तरह मिलाया जाता है।

उपयोग

बोआई से 24 घंटे पहले बीज शोधन करना चाहिए।





Head Office Address:

4, Community Shopping Centre,
Anupam Apartments, Saidullajab,
MB Road, New Delhi 110068

[f](#) @SelfReliantInitiativesThroughJointAction

[t](#) @srijanofficial [in](#) @srijanofficial [@](#) @srijan_india